MAKHANLALCHATURVEDINATIONALUNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

//UNIVERSITYLIBRARY//

-:NEWSCLIPPINGSERVICE-:

DATE:27JAN.2026

एमसीयू में 'काव्य की कक्षा' का आयोजन

गीतों और कविताओं की प्रस्तुतियों से सराबोर हुए श्रोता

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का परिसर शुक्रवार को कविता, गीत और दोहों से सराबोर हुआ। अवसर था विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'काव्य की कक्षा' कार्यक्रम का। इस आयोजन में देश के 5 कवियों रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय 'सूरज', डॉ. सुरेश, राजेश शर्मा एवं मासूम गाजियाबादी ने विद्यार्थियों के सामने गीतों, कविताओं एवं दोहों की अद्भुत प्रस्तुतियां दी।

काव्य की कक्षा की शुरुआत में कवि सूरज राय 'सूरज' ने अपनी कविता सुनाते हुए कहा- करो कुछ यूं कि हर मुश्किल की आसानी निकल आए... कविता सुनाई। उन्होंने फुटपाथ की ठंड और मानवीय मूल्यों पर केंद्रित कविता कविताएं भी सुनाईं। ग्वालियर से आए राजेश शर्मा ने घनाक्षरी ने महानगरों में बसंत की स्थिति पर 'तू प्यासा मैं मरूधरा', 'किरणों ने छू भर दिया ओस लाली को गाल' आदि रचनाएं सुनाईं। डॉ सुरेश ने युवाओं के लिए विशेष तौर पर रचित गीत, 'एक वसंत लिए जीता हूं, सुनाया'। रामायण धर द्विवेदी ने जुगनू जैसी जलती बुझती, छोटी-छोटी आशाएं.. गीत सुनाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मासूम 'गाजियाबादी' ने की। विश्वविद्यालय के कुलगुरू विजय मनोहर तिवारी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA '24 JANUARY.2026

वसंत संग कविता का संगम, एमसीयू परिसर में साहित्यिक उत्सव की धूम

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA '24 JANUARY.2026

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: वसंत पंचमी और महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जयंती के अवसर पर शुक्रवार को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए 'काव्य की कक्षा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के प्रख्यात कवियों रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय 'सूरज', डा. सुरेश, राजेश शर्मा और मासूम 'गाजियाबादी' ने अपनी कविताओं, गीतों और दोहों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की शुरुआत कवि सूरज राय 'सूरज' की संवेदनशील पंक्तियों से हुई, जिनमें मानवीय रिश्तों और जीवन की तल्ख सच्चाइयों का सशक्त चित्रण था। ग्वालियर से आए राजेश शर्मा ने घनाक्षरी और वसंत विषयक रचनाएं सुनाईं, वहीं लखनऊ से आए डा. सुरेश ने युवाओं को प्रेरित करने वाले गीत प्रस्तुत किए।

कवि रामायण धर द्विवेदी ने छोटी-छोटी आशाओं पर आधारित रचना से श्रोताओं में उम्मीद का संचार किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मासूम 'गाजियाबादी' ने की, जिन्होंने गरीबी, मानवीय स्वाभिमान और सामाजिक विषमताओं पर आधारित प्रभावशाली कविताएं प्रस्तुत की।

निराला की काव्यधारा व शब्द-नाद पर विमर्श

इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार विनय उपाध्याय ने 'निराला के शब्दराग' विषय पर प्रस्तुति देते हुए कहा कि निराला शब्द और नाद के अंतरसंबंध के कवि थे और उन्होंने हिंदी कविता को नई दिशा दी। वहीं कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि कवि कम शब्दों में गहरी बात कहने की शक्ति रखते हैं। कार्यक्रम का संचालन रामायण धर द्विवेदी और डा. आरती सारंग ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन कुलसचिव डा. पी. शशिकला ने किया।

एमसीयू में 'काव्य की कक्षा' का आयोजन

कवियों ने बसंत पंचमी और निराला जयंती पर दी काव्य प्रस्तुतियां

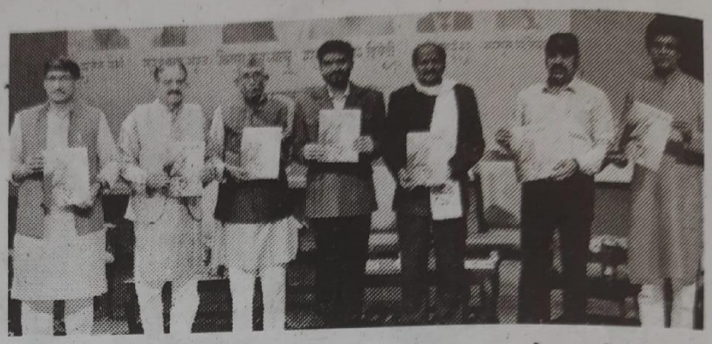

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 23 जनवरी को 'काव्य की कक्षा' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें देश के पांच प्रख्यात कवियों ने गीतों, कविताओं और दोहों की प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम बसंत पंचमी और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जयंती के अवसर पर आयोजित हुआ। मुख्य कवियों में रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय 'सूरज', डॉ. सुरेश, राजेश शर्मा और मासूम गाजियाबादी शामिल थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सूरज राय 'सूरज' की कविता से हुआ, जिसमें उन्होंने मानवीय संबंधों और जीवन के संघर्ष को दर्शाया। इसके बाद राजेश शर्मा ने घनाक्षरी के माध्यम से महानगरों में बसंत की स्थिति पर कविताएं सुनाईं। डॉ. सुरेश ने युवा पीढ़ी के लिए विशेष गीत प्रस्तुत किए और निराला को याद करते हुए उनके काव्य पर आधारित रचनाएं साझा कीं। रामायण धर द्विवेदी ने उम्मीद और आशाओं का संदेश देने वाले गीत सुनाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मासूम गाजियाबादी ने की और उन्होंने मानवीय मूल्यों, गरीबी और सामाजिक संवेदनाओं पर आधारित कविताएं प्रस्तुत कीं। वरिष्ठ पत्रकार विनय उपाध्याय ने निराला के काव्य और उनके प्रयोगधर्मी दृष्टिकोण पर 'निराला के शब्दराग' विषयक प्रस्तुति दी।

कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि कवि सैकड़ों शब्दों में न कही जा सकने वाली बात को अपनी लेखनी में संक्षिप्त और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत कर देते हैं। कार्यक्रम का संचालन रामायण धर द्विवेदी एवं डॉ. आरती सारंग ने किया। अंत में डॉ. पी. शशिकला ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी, प्राध्यापक, अधिकारी और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों और युवाओं में कविता और साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने और सांस्कृतिक चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'24 JANUARY.2026

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Bhopal Main - 24 Jan 2026 - Page 8

हर मुश्किल की आसानी निकल आए, तुम्हारी पैदाइश का मानी निकल आए....

बसंत पंचमी पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विवि में लगी 'काव्य की कक्षा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बसंत पंचमी पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का परिसर शुक्रवार की शाम कविता, गीत और दोहों से सराबोर हुआ। अवसर था विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित 'काव्य की कक्षा' कार्यक्रम का। इस आयोजन में देश के 5 प्रख्यात कवियों रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय, डॉ. सुरेश, राजेश शर्मा एवं मासूम गाजियाबादी ने विद्यार्थियों के सामने गीतों, कविताओं एवं दोहों की अद्भुत प्रस्तुतियां दी। इस आयोजन के साथ निराला जयंती पर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को याद करते हुए वरिष्ठ पत्रकार विनय उपाध्याय ने निराला के काव्य पर केंद्रित निराला के शब्दराग विषयक प्रस्तुति भी दी। प्रख्यात कवि सूरज राय ने अपनी कविता सुनाते हुए कहा करो कुछ यूं कि हर मुश्किल की आसानी निकल आए, तुम्हारी बावजह पैदाइश का मानी निकल आए, किसी को भी रूलाने का तरीका मैं बताता हूं, हंसाओ यूं कि उसकी आंख से पानी निकल आए।

एमसीयू में कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी के साथ कविगण।

किरणों ने छू भर दिया ओस लाली को गाल....

ग्वालियर के राजेश शर्मा ने घनाक्षरी से अपना काव्यपाठ आरंभ किया। महानगरों में बसंत की स्थिति पर उन्होंने तू प्यासा मैं मरूधरा, किरणों ने छू भर दिया ओस लाली को गाल, तेरे मेरे बीच ऐसी है दीवार आदि रचनाएं सुनाकर श्रोताओं की खूब तालियां बंटोरीं। इस अवसर पर युवापीढ़ी के सिद्ध कवि और लेखक रामायण धर द्विवेदी ने जुगनू जैसी जलती बुझती, छोटी-छोटी आशाएं, जीने का कारण बन जातीं छोटी-छोटी आशाएंह्यह्य वाला उम्मीदों और आशाओं का गीत सुनाया।

खुशी से झूमती बारात को छोड़ो, उन्हें देखो....

मानवीय स्वाभिमान पर चंद पंक्तियां सुनाते हुए गाजियाबादी ने कहा कि यूं भी बचाई हमने गरीबी की आबरू, नंगे भी हम रहे तो अदब से तमीज से, भूखे हुए तो पेट को घुटनों से ढंक लिया, सर्दी लगी तो ढंक दिए घुटने कमीज से। चकाचौंध भरे समाज में अवसर शादियों आदि अवसरों पर बारात में रोशनियों को दौते बच्चों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि खुशी से झूमती बारात को छोड़ो उन्हें देखो, कि जिनको नाव गाने का बहाना तक नहीं मिलता।

एमसीयू

वसंत पंचमी और निराला स्मृति में कविता पाठ

सिटी रिपोर्टर • वसंत पंचमी और निराला जयंती के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय परिसर कविता, गीत और दोहों से सराबोर हो गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'काव्य की कक्षा' में प्रख्यात कवियों ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय 'सूरज', डॉ. सुरेश, राजेश शर्मा और मासूम 'गाजियाबादी' शामिल रहे। निराला जयंती पर वरिष्ठ पत्रकार विनय उपाध्याय ने 'निराला के शब्दराग' की प्रस्तुति दी।

सूरज राय 'सूरज' ने प्रेरक शेरों से शुरुआत की। ग्वालियर से आए राजेश शर्मा ने घनाक्षरी छंद, जबकि लखनऊ के डॉ. सुरेश ने कवि-पत्रकार की भूमिका और निराला को समर्पित गीत प्रस्तुत किया। रामायण धर द्विवेदी ने आशा आधारित गीत सुनाए। अध्यक्षता कर रहे मासूम 'गाजियाबादी' ने मानवीय स्वाभिमान और सामाजिक विडंबनाओं पर रचनाएं पढ़ीं। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने काव्य की शक्ति और प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK BHASKAR '24 JANUARY.2026

एक वसंत लिए जीता हूं पतझड़ का करके श्रंगार...

वसंत पंचमी पर पत्रकारिता विवि में 'काव्य की कक्षा का आयोजन

बसंत पंचमी के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में 'काव्य की कक्षा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के 5 प्रख्यात कवियों ने विद्यार्थियों के सामने गीत, कविता और दोहों की प्रस्तुतियां दी, जिसका विद्यार्थियों ने आनंद लिया।

काव्य कक्षा में रामायण धर द्विवेदी, सूरज राय 'सूरज, डॉ. सुरेश, राजेश शर्मा एवं मासूम गाजियाबादी ने कवितायें सुनाईं। वहीं, निराला जयंती पर वरिष्ठ पत्रकार विनय उपाध्याय ने निराला के काव्य पर केन्द्रित 'निराला के शब्दराग विषयक प्रस्तुति भी दी।

कविता पाठ की शुरुआत में सूरज राय 'सूरज ने पढ़ा-

"करो कुछ यूं कि हर मुश्किल की आसानी निकल आए" ग्वालियर के राजेश शर्मा ने घनाक्षरी से अपना काव्यपाठ आरंभ किया। महानगरों में बसंत की स्थिति पर उन्होंने 'तू प्यासा मैं मरूधरा, 'किरणों ने छू भर दिया ओस लाली को गाल सुनाकर दाद बटोरी। लखनऊ से आये डॉ सुरेश ने अवसर के अनुरूप पढ़ा 'एक वसंत लिए जीता हूं, पतझड़ का करके श्रंगार। पढ़कर माहौल लूटा। संचालन करते हुए रामायण धर द्विवेदी ने पढ़ा जुगनू जैसी जलती बुझती, छोटी-छोटी आशाएं, मासूम 'गाजियाबादी के नाम से प्रसिद्ध कवि नरेन्द्र सिंह ने पढ़ा-

'यूं भी बचाई हमने गरीबी की आबरू, नंगे भी हम रहे तो अदब से तमीज से।

आरंभ में कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने प्रस्तावना वक्तव्य दिया। संचालन पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. आरती सारंग ने किया। आभार डॉ. शशिकला ने व्यक्त किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTY '24 JANUARY.2026

एमसीयू में हुई काव्य की कक्षा

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय एमसीयू परिसर कविता, गीत और दोहों की रसधारा से सराबोर हो उठा। इस मौके पर विद्यार्थियों के लिए 'काव्य की कक्षा' लगाई गई। आयोजन बसंत पंचमी के साथ-साथ महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती को समर्पित रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रख्यात कवि सूरज राय 'सूरज' की काव्य प्रस्तुति से हुआ। ग्वालियर से आए कवि राजेश शर्मा ने घनाक्षरी छंद जैसी रचनाएं सुनाई। लखनऊ के कवि डॉ. सुरेश ने कहा कि युवाओं के लिए रचित गीत सुनाया। लेखक रामायण धर द्विवेदी ने आशा और उम्मीद पर केंद्रित गीत की प्रस्तुति की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मासूम 'गाजियाबादी' प्रसिद्ध कवि नरेन्द्र सिंह ने की। विवि. के कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि कवि कुछ शब्दों में वह कह देता है, जो कई संपादकीय भी नहीं कह पाते। वही वरिष्ठ पत्रकार विनय उपाध्याय ने 'निराला के शब्दराग' विषय पर प्रस्तुति दी। संचालन रामायण धर द्विवेदी एवं डॉ. आरती सारंग ने किया। कुलसचिव डॉ. पी शशिकला ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक पाण्डेय, समाजसेवी कैलाशचन्द्र, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान के निदेशक मुकेश मिश्रा उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH '24 JANUARY.2026

MCU से रूबरू हुए ग्रामीण स्कूलों के विद्यार्थी

भोपाल। सीएम राइज स्कूलों सहित ग्रामीण क्षेत्रों के हाईस्कूल और हायर सेकंडरी स्कूलों के लिए माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) अब शैक्षणिक भ्रमण का प्रमुख केंद्र बन रहा है। विदिशा जिले के आठ स्कूलों के 200 से अधिक विद्यार्थी एमसीयू परिसर पहुंचे। इनमें सिरोंज-लटेरी क्षेत्र के अधिकतर छात्र ग्रामीण अंचल से थे। प्राचार्य महेश ताम्रकार के अनुसार, माखनपुरम परिसर में लगी सदी साक्षी है फ्रंट पेज प्रदर्शनी और कार्टून शो ने विद्यार्थियों को मीडिया और भारत के इतिहास से जोड़ा।

PRADESH TODAY 23-01-2026

MCU में विदिशा जिले से आए स्टूडेंट्स का शैक्षणिक भ्रमण

भोपाल। विदिशा जिले के कुरवाई के शासकीय सांदीपनि हायर सेकेंडरी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि का भ्रमण कर संस्थान के पाठ्यक्रमों और गतिविधियों को समझा। इस शैक्षणिक और औद्योगिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विवि द्वारा में स्थापित हिंदी पत्रकारिता के 100 वर्षों की यात्रा पर केंद्रित प्रमुख समाचार पत्रों की अनूठी प्रदर्शनी को भी देखा। इस दौरान विद्यार्थियों को मीडिया में कैरियर की संभावनाओं आदि विषयों पर जानकारी दी गई।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR '24 JANUARY.2026